'आध्यात्मिक सशक्तिकरण से सामाजिक परिवर्तन' विषय पर माननीय मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था दैवी संस्कृति को बढ़ा रही आगे

शांतिवन। सिर्फ भौतिक विकास को हम विकास नहीं कहेंगे। इसके साथ-साथ हमें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास पर ज़ोर देना होगा। हमें भौतिक विकास का सुख चाहिए तो आध्यात्मिक विकास ज़रूरी है। मनुष्य में संस्कार निर्माण कैसे हो, आध्यात्मिक स्तर कैसे ऊँचा उठाया जाए, इस पर ध्यान देना होगा। जो समाज में नशाखोरी, गलत आदतें, तनाव जैसी व्याधियां हैं उसे कैसे समाप्त किया जाए, इस पर हमें आगे आकर कार्य करना होगा। इस कार्य में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान लगा हुआ है। उक्त उद्गार हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के शांतिवन परिसर स्थित डायमण्ड हॉल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यक्त किए। 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण से सामाजिक परिवर्तन' विषय पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करने में हमें तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन कभी अपने में निराशा नहीं आने दें। हमेशा आशावादी बनकर आगे बढ़ना है। ब्रह्माकुमारीज़ एक लक्ष्य को लेकर आध्यात्मिकता के माध्यम से दैवी शक्तियों की रेखा को लंबा कर रही हैं। हम देखेंगे आगे चलकर, इसका प्रभाव बढ़ेगा तो समाज सुखी होगा। फिर से हम जिस स्वर्ग की कल्पना कर रहे हैं वह आने वाला है। मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा कि संस्कार केवल शिक्षा से नहीं आएगा।

इसके लिए हमें अलग से पाठ्यक्रम शुरू करना होगा। हरियाणा सरकार ने शिक्षा में गीता के उपदेशों और जीवन जीने की कला की बातों को शामिल किया है, जिसे आज देश ही नहीं दुनिया भी स्वीकार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय गीता

हरियाणा शिक्षा में गीता के उपदेशों को शामिल करने वाला पहला राज्य बना

भौतिक विकास के साथ मानसिक बौद्धिक विकास होना ज़रूरी

जयंती के कार्यक्रमों को सरकार की ओर से प्रत्येक जिला स्तर पर आयोजित कराए गए हैं। हरियाणा करनाल के सांसद संजय भाटिया ने भी अपने विचार रखे। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता में प्योरिटी की ताकत सबसे बड़ी ताकत है। संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि हरियाणा पूरे विश्व को गीता का ज्ञान देने के निमित्त बना और गीता को विश्व व्यापक बनाया। इस दौरान संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि हरियाणा खेल के लिए प्रसिद्ध है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए सरकार का बहुत योगदान है। ज्ञानमानसरोवर,पानीपत के डायरेक्टर ब्र.कु. भारत भूषण भाई ने स्वागत किया। संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शिवानी बहन ने किया। आभार ब्र.कु. मेहरचंद ने किया। कार्यक्रम के पश्चात् संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने मुख्यमंत्री को शॉल और परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात् वह संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी की स्मृति में बने 'अव्यक्त लोक' में पहुंचे और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों की सराहना भी की।

व्यसनमुक्त होकर विश्वगुरु कहलायेगा भारत - राज्यपाल

नीलबड़-भोपाल(म.प्र.)। किसी का व्यसन छुड़ाना यह बहुत बड़ा पुण्य का काम है। जिसका व्यसन आप छुड़ायेंगे वह जीवन भर आपको याद रखेगा, दुआएं देगा। व्यसनों से कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं। व्यसन से अगर घर का मुखिया असमय मर जाता है तो सारा परिवार ध्वस्त हो जाता है। इसलिए मैं आप सभी को

बहुत साधुवाद देता हूँ क्योंकि आपने बहुत बड़ा समाज सुधार का काम अपने ऊपर लिया है। यह केवल शासन या ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के द्वारा नहीं, लेकिन इसमें सभी का प्रयास आवश्यक है। तभी हम सब मिलकर मध्य प्रदेश को व्यसन मुक्त मध्य प्रदेश बना सकेंगे। यह कहना था माननीय राज्यपाल मंगू भाई पटेल का। और अवसर था ब्रह्माकुमारीज़, सुखशांति भवन,नीलबड़ के अनुभूति सभागार में आयोजित 'मेरा मध्य प्रदेश व्यसन मुक्त मध्य प्रदेश' अभियान के उद्घाटन का। आगे आपने बताया कि आत्मिक सुख और शांति अच्छे संस्कारों से मिलती है। ऐसे ही संस्कारों के निर्माण का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। समाज सुधार से ही देश में सुधार होगा और भारत विश्व गुरु कहलायेगा। मुंबई से आये सुप्रसिद्ध व्यसनमुक्ति विशेषज्ञ डॉ. सचिन परब ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यसनमुक्ति के क्षेत्र में 25 वर्षों से किए हुए ज़मीनी कार्य का ब्यौरा प्रस्तुत किया। माउण्ट आबू से आये ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने मध्य प्रदेश को नशा मुक्त कैसे किया जा सकता है इस विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी ने शब्द सुमनों द्वारा स्वागत किया। ब्रह्माकुमारीज़,सुख शांति भवन,नीलबड़ की डायरेक्टर ब्र.कु. नीता दीदी ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

गुवाहाटी में प्रशासक वर्ग के सम्मेलन का सफल आयोजन

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से प्रशासन में आती उत्कृष्टता

गुवाहाटी-असम। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा विश्व शांति भवन में प्रशासक सम्मेलन के अंतर्गत 'एक्सिलेंस इन एडमिनिस्ट्रेशन थ्रू स्पीरिचुअलिटी' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असम सरकार के मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर ने कहा कि प्रशासकीय क्षेत्र में लिए गए निर्णय का आमजन पर बहुत असर होता है। ज़िम्मेवारी के साथ त्वरित निर्णय लिए जाने से, से सम्पन्न बना सकते हैं। उ.प्र. सरकार के पूर्व सचिव सीताराम मीणा,आईएएस ने कहा कि लंबे प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से स्वयं का आंतरिक सशक्तिकरण होता है और मन की सोच-विचार की शक्ति व्यापक होती है। सिरसा हरियाणा से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बिंदु दीदी ने राजयोग मेडिटेशन की विधि बताते हुए इसका क्रियात्मक अभ्यास करवाया।

नियमों एवं मर्यादाओं का पालन करते हुए निर्णय लेने से बहुतों का हित होता है। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु.आशा दीदी,दिल्ली ने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण रखने से प्रशासन में उत्कृष्टता आती है। हम पहले स्व के शासक बनें। अपने मन में निहित खुद की शक्तियों के खज़ाने को पहचानें और व्यापक जनहित में कल्याणकारी और पारदर्शी निर्णय लें तो समाज में लोगों का जीवन शांति और खुशी माउण्ट आबू से आये प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश ने प्रभाग द्वारा हो रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। दिल्ली ओ.आर.सी. से ब्र.कु. विधात्री बहन ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का परिचय दिया। ब्रह्माकुमारीज़ नलबाड़ी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जोनाली बहन ने आभार व्यक्त किया। ओआरसी दिल्ली से ब्र.कु. हुसैन बहन ने संचालन किया एवं ब्र.कु. मौसमी बहन ने स्वागत किया। इस अवसर पर करीब 300 प्रशासक उपस्थित रहे।

21 बहनों का भव्य अलौकिक समर्पण समारोह

जयपुर-राजापार्क। ब्रह्माकुमारीज़ सबज़ोन की ओर से जयपुर स्थित एंटरटेनमेंट पैराडाइज़, जवाहर सर्किल में 21 बहनों के ईश्वरीय सेवार्थ अलौकिक समर्पण समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर राज्यमंत्री,राजस्थान समाज कल्याण विभाग की अध्यक्ष डॉ.अर्चना शर्मा ने कहा कि जो अध्यात्म से जुड़ते हैं वह सांसारिक जीवन की दुविधाओं से बाहर हो जाते हैं। राजनीति में नेता भी सफ़ेद कपड़े पहनते हैं लेकिन आप जो सफ़ेद वस्त्र धारण करते हैं उनमें और आप में बहुत अंतर है और यही कारण है कि आपकी विश्वसनीयता इस सांसारिक जीवन में बहुत बड़ी है।

ब्रह्माकुमारीज़ दिल्ली शक्ति नगर सबज़ोन इंचार्ज एवं रशिया डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु.चक्रधारी दीदी ने कहा कि बहनों को इस समर्पण समारोह से पूर्व 5 वर्ष ट्रेनिंग के लिए दिए जाते हैं ताकि वे और उनके लौकिक परिवार ये देख सकें कि

समर्पित होने वाली बहनों के परिवार सहित शहर के सात हज़ार प्रबुद्धजन अलौकिक समारोह के बने साक्षी

21 बहनों ने विश्व परिवर्तन के भगीरथ कार्य में समर्पित होने के नियम व मर्यादाओं की ली प्रतिज्ञा

इस मार्ग पर ये चल सकती हैं या नहीं। जब सबकी तरफ से यह सर्टिफिकेट मिलता है कि सफल होंगे तभी इनका समर्पण समारोह किया जाता है। आज भारत की प्राचीन संस्कृति जो भारत को एक विश्व गुरू कहलवाती थी, आज उस प्राचीन संस्कृति को पुनः इस विश्व में लाने के लिए इन बहनों ने अपने जीवन का त्याग किया है और इस देश को श्रेष्ठ बनाने के लिए विकारों रूपी दुर्गुणों से स्वयं को मुक्त कर अनेकों को मुक्ति प्राप्त कराने के लिए अपना जीवन प्रभु अर्पित किया है, जो बहुत बड़ा कार्य है। जयपुर उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु.पूनम दीदी ने कहा कि इस अलौकिक समर्पण का मर्म है कि ब्रह्माकुमारी बहनें अपना जीवन परमपिता परमात्मा शिव को साथी मानकर उन्हें अर्पित करती हैं। इस मौके पर कमल सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निर्मला दीदी, जोधपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. फूल बहन व ब्र.कु. शील बहन ने अपनी शुभकामनाएं दी।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Jan, 2023
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org